SHRI SAMAR GUHA : I have referred to cousultancy in my question also.

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI : In my statement I have given the names of the countries which sought consultancy of the Government of India, and beyond that, there is no other country which has asked for consultancy.

SHRI SAMAR GUHA : He has mentioned about coaches also. I want to know whether wagons and coaches have been supplied to Formosa also.

SHRI MOHD SHAFI QURESHI : No, not to my knowledge, but I will ascertain facts about it

SHRI SAMAR GUHA : The hon Minister does not know...

SHRI MOHD SHAFI QURESHI : I said, no, not to my knowledge. I would need a separate notice for this.

मनासा (जिला मंदसौर) मे एक रेलवे आउट एजेंसी की स्थापना

*248 **डा० लक्ष्मी नारायण पाडेय** : क्या रेल मत्री यह बताने की कृपा करेगे कि .

(क) क्या मंदसार जिले के मनासा नगर के व्यापारियो और जनता ने वहाँ पर एक रेलवे आउट एजेसी स्थापित करने की माँग की है,

(ख) क्या ऐसी एक एजेसी वहाँ पर पहले भी कार्य करती थी, और

(ग) यदि हाँ, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI) : (a) Yes, Sir.

(b) An Out-Agency for dealing in goods and parcels traffic was functioning at Manasa from 3.2.1963 to 6.12.1970, when it was closed down due to the contractor's unwillingness to continue the work.

(c) Tenders were invited in 1970 and again in 1971 for selecting a new contractor but no suitable persons could be found.

डा० लक्ष्मी नारायण पांडेय : उत्तर मे मंत्री महोदय ने बताया है कि कोई उपयुक्त व्यक्ति नही मिला । मै जानना चाहता हूँ कि उपयुक्त व्यक्ति कौन हो सकता है, इसके बारे मे आपका मानदंड क्या है ? यदि आपके मानदंड के अनुसार उपयुक्त व्यक्ति मिलता है तो क्या आप फिर से इस विषय पर विचार करने को तैयार है ?

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : अगर माननीय सदस्य किसी काट्रेक्टर का नाम बता सकते है तो हम उसको ठेका देने के लिए तैयार है । टेडर बुलाए गए थे लेकिन टेडर काल होने के बाद कोई भी काट्रेक्टर नही आता है काम करन के लिए ।

डा० लक्ष्मी नारायण पांडेय : आपके मानदंड के अनुसार कौनसा व्यक्ति उपयुक्त माना जाएगा ? सूटेबल या अनसूटेबल का आधार क्या है ?

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : सूटेबल परसन वह होगा जिसकी टर्म्स सूटेबल होगी । आदमी को नही हम टेडर को देखते है ।

डा० लक्ष्मी नारायण पांडेय : आउट एजेसी स्थापित करने के बारे मे किसी व्यक्ति को ठेका या काम देने के बारे मे आपका क्राटीरिया क्या है, सामान्य शर्तें क्या है ?

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : लाइसेंस नही दिया जाता है । ओपन टेंडर काल किये जाते है । जो टेडर रीजनेबल होगा, अच्छा होगा, उसको कबूल किया जाएगा ।

डा० लक्ष्मी नारायण पांडेय : किन शर्तों के आधार पर किसी व्यक्ति को ठेका देते हैं ? जिस आधार पर आप टेडर स्वीकार करते है ? वे शर्तें क्या है, यह तो आप बताइये ।

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : उसमें यह होता है कि गुड्ज और पार्सल का जो ट्रांजिट होता है, वह उसको दिया जाता है। उसमें यह शर्त होती है कि जो माल उस आउट एजेंसी को दिया जाएगा वह वक्त पर और ठीक शक्ल को उसको पहुँचाएगी। अगर ट्राजिट में कोई नुकसान होगा तो उसकी जिम्मेदारी उसके ऊपर होगी। उसके दफ्तर का भी फंक्शानिंग ऐसा होना चाहिए कि वह आवाम की बहबूदी और फायदे के लिए काम करे। जो और शर्तें हैं वे कांट्रेक्ट मे दर्ज रहती है जो तमाम शर्तें कबूल करता है, उसको ही ठेका दिया जाता है।

अध्यक्ष महोदय : आपकी तसल्ली नही हुई होगी। कछवाय जी आप कभी तो नागा कर लिया करें।

श्री हुकम चन्द कछवाय : जिस दिन आप नही आएंगे उस दिन मै भी सवाल नहीं करूंगा। यह सवाल पूछा गया है मनासा के बारे में जो रतलाम डिवीजन मे है। पश्चिम रेलवे मे आउट एजेंसीज बहुत कम है और इस वास्ते इनका लाभ बहुत से लोगों को नही मिल पाता है। काम यह सारा रेलवे को करना पड़ता है। बहुत से पार्सल और बहुत सा माल चोरी हो जाता है। लोगों को पार्सल आदि भेजने मे भी काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। इस वास्ते मै जानना चाहता हूँ कि हर डिविजन में अधिक से अधिक आउट एजंसीज खोलने के बारे में कोई विशेष प्रयास किया जा रहा है? अगर कोई काट्रेक्टर नही आता है तो क्या आप कोई विशेष रियायत देने को तैयार हैं?

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : आउट एजेंसी जो होती है वह जोन के हिसाब से नही दी जाती है, जरूरियात के हिसाब से दी जाती है। इस वक्त तक 168 आउट एजेंसीज में से 19 आउट एजेंसीज जो हैं, वे पश्चिम रेलवे में है। जहाँ जहाँ जरूरत पड़ती है, वहाँ वहाँ पर इनके नम्बर को बढ़ाया भी जा सकता है।

श्री हुकम चन्द कछवाय : लोगों को पार्सल आदि भेजने में आसानी हो सके और ये उनको आसानी से और सुरक्षित मिल सकें, इसकी व्यवस्था होनी चाहिए। पार्सलों की चोरियाँ होती है और रेलवे कहती है कि हमारी जवाबदारी नहीं है। पार्सल बुक कराने जाते हैं तो काफी कठिनाई होती है। बीमा भी उनका नहीं किया जाता है। बीमा कराने में भी उनको बहुत कठिनाई होती है। लोगों को ज्यादा से ज्यादा लाभ हो, इसके लिए मंत्री महोदय की ओर से कोई विशेष योजना चलाई जाएगी उस जोन में· · · ·

अध्यक्ष महोदय : मेरा माध्यम बन्द है।

गुजरात राज्य को अतिरिक्त बिजली की सप्लाई

\+

*251. **श्री के० एस० चावड़ा**
डा० संकटा प्रसाद :

क्या **सिंचाई और विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि;

(क) क्या केन्द्रीय सरकार ने गुजरात राज्य को अतिरिक्त बिजली सप्लाई करने का निर्णय किया है; और

(ख) यदि हाँ, तो राज्य को कितनी मात्रा मे बिजली सप्लाई की जाएगी?

सिंचाई और विद्युत मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री बैजनाथ कुरील) : (क) और (ख). विवरण सभा पटल पर रखा जाता है।

विवरण

प्रतिदिन लगभग 3 मिलियन यूनिट विद्युत की कमी है। यह विशेषतः तारापुर स्थित दोनों यूनिटों के बन्द हो जाने के कारण है। महाराष्ट्र और गुजरात में उपयोग किये जाने के लिए मैसूर ने प्रतिदिन लगभग एक मिलियन यूनिट देना आरंभ कर दिया है।